सदा सुख चावे तो नर काम छोड़ दें चार लिरिक्स

सदा सुख चावे तो,
नर काम छोड़ दें चार,
चोरी चुगली जामिनी,
और पराई नार।bd।

चोरी करी रावण अभिमानी,
सियाराम की हर ली रानी,
करवा दी कूटूम की घानी,
जब खफा दियो परिवार,
अगर सुख चावे तो,
नर काम छोड़ दें चार।bd।

चुगली कर सकुनी बहकाया,
महाभारत में लेख बताया,
कौरव पांडवों को लड़वाया,
जब हुई जुए में हार,
अगर सुख चावे तो,
नर काम छोड़ दें चार।bd।

नार पराई छीन ली बाली,
भाई की रखली घरवाली,
जग माई अपनी शान घटाई,
जिन दियो च राम जी मार,
अगर सुख चावे तो,
नर काम छोड़ दें चार।bd।

झुटी जामीनी घर बिकवादे,
रस्ते के माई पिठवादे,
जग माई अपनी शान घटादे,
जब हो जावे लाचार,
अगर सुख चावे तो,
नर काम छोड़ दें चार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

चोरी केद करवाई दे,
चुगली दे पिठवाई,
झूठी जामनी घर बिकवा दे,
और शीश कटवा दे नार,
अगर सुख चावे तो,
नर काम छोड़ दें चार।bd।

सदा सुख चावे तो,
नर काम छोड़ दें चार,
चोरी चुगली जामिनी,
और पराई नार।bd।

गायक – रामचंद्र यादव।
प्रेषक – धनराजजी गुर्जर अनंत गंज।
9001819391

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com